जिंद पई अवाज़ा मारदी है हारा वालड्या श्यामा

दवारा तेरा आसरा मेरा,
जिंद पई अवाज़ा मारदी है हारा वालड्या श्यामा.....

सुबहे सवेरे अमृत वेले मुह कलिया ने खोले,
पत्ता पत्ता डाली डाली राधे राधे बोले,
दवारा तेरा आसरा मेरा.....

जे मै हुँदा बाग़ कबूतर विच वृन्दावन रहन्दा,
सुबहे सवेरे दाना चुगदा रात वृन्दावन रहन्दा,
दवारा तेरा आसरा मेरा.....

जे मै हुँदा मोर रंगीला विच बागा दे रहन्दा,
सांवरे मेरा झूला झूलदा नच नच पैला पाउंदा,
दवारा तेरा आसरा मेरा.....

जे मै हुँदा रथ श्याम दा विच वृन्दावन रहन्दा,
श्याम नु सैर कराके जीवन सफल बनांदा,
दवारा तेरा आसरा मेरा.....

जे मै हुँदा भगत श्याम दा विच मंदरा दे रहन्दा,
श्याम दा दर्शन पाके जीवन सफल बनांदा,
दवारा तेरा आसरा मेरा.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28627/title/jind-payi-awaza-mardi-hai-hara-valdeya-shyama

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |